ध्रुवपद महोत्सव - 2018 के अवसर पर

संगीत त्रिवेणी

(ध्रुवपद, खयाल एवं ठुमरी पर आधारित कार्यक्रम)

दिनांक : 31 अक्टूबर, 1 एवं 2 नवम्बर 2018

स्थान : पं0 ओंकार नाथ ठाकुर प्रेक्षागृह,
संगीत एवं मंच कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

कार्यक्रम विवरण

प्रथम दिवस : 31 अक्टूबर 2018 अपराह्ण 2.00 बजे से

प्रथम प्रस्तुति : 2.00 बजे से 3.00 बजे तक

पं. पल्लव दास	वाराणसी	ध्रुवपद गायन
पं. विजय राम दास	अयोध्या	पखावज संगति

द्वितीय प्रस्तुति : 3.00 बजे से 4.00 बजे तक

पं. अखिलेश गुन्देचा	भोपाल	स्वतन्त्र पखावज वादन
श्री दयानेश्वर देशमुख	पूणे	(समूह में)
श्री रमेश चन्द्र जोशी	दिल्ली	
सुश्री अनुजा बोरुडे	भोपाल	
श्री दीपक तिवारी	वालसाड	
श्री अनीश मिश्र	लखनऊ	सारंगी संगति

तृतीय प्रस्तुति : 4.00 बजे से 5.00 बजे तक

पं. राम कुमार मलिक	दरभंगा	ध्रुवपद गायन
श्री संगीत मलिक	दरभंगा	ध्रुवपद गायन
श्री संगीत पाठक	दरभंगा	पखावज संगति

द्वितीय दिवस : 1 नवम्बर 2018 अपराह्ण 2.00 बजे से

प्रथम प्रस्तुति : 2.00 बजे से 3.00 बजे तक

डॉ. बिपुल कुमार राय	नई दिल्ली	सन्तूर वादन
पं. कुबेर नाथ मिश्र	वाराणसी	तबला संगति

द्वितीय प्रस्तुति : 3.00 बजे से 4.00 बजे तक

प्रो. जयन्त खोत	इलाहाबाद	खयाल गायन
श्री उदय सिंह	खैरागढ़	तबला संगति
श्री इन्द्रदेव चौधरी	वाराणसी	हारमोनियम संगति

तृतीय प्रस्तुति : 4.00 बजे से 5.00 बजे तक

प्रो. राजेश शाह	वाराणसी	सितार वादन
पं. किशनराम ढोहकर	वाराणसी	तबला संगति

तृतीय दिवस : 2 नवम्बर 2018 अपराह्ण 2.00 बजे से

प्रथम प्रस्तुति : 2.00 बजे से 3.00 बजे तक

श्री इन्द्रेश मिश्र	दिल्ली	ठुमरी गायन
श्री पंकज राय	वाराणसी	तबला संगति
श्री अनीश मिश्र	लखनऊ	सारंगी संगति

द्वितीय प्रस्तुति : 3.00 बजे से 4.00 बजे तक

पं. जवाहर लाल	वाराणसी	शहनाई वादन
श्री मोहन लाल	वाराणसी	शहनाई संगति
श्री कौसर अली	वाराणसी	शहनाई संगति
श्री राजेश कुमार	वाराणसी	स्वर-संगति
श्री राजन कुमार	वाराणसी	तबला संगति
श्री मंगल प्रसाद	वाराणसी	दुक्कड़ संगति

तृतीय प्रस्तुति : 4.00 बजे से 5.00 बजे तक

डॉ. रीता देव	दिल्ली	ठुमरी गायन
डॉ. रजनीश तिवारी	वाराणसी	तबला संगति
श्री जमुनावल्लभ गुजराती	वाराणसी	हारमोनियम संगति
पं. सन्तोष कुमार	वाराणसी	सारंगी संगति

ध्रुवपद महोत्सव - 2018 के अवसर पर

संगीत त्रिवेणी

(ध्रुवपद, खयाल एवं ठुमरी पर आधारित कार्यक्रम)

दिनांक : 31 अक्टूबर, 1 एवं 2 नवम्बर 2018

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी

द्वारा

संगीत एंव मंच कला संकाय तथा **भारत अध्ययन केन्द्र**

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

के सहयोग से आयोजित

त्रिदिवसीय संगीत त्रिवेणी

में आप सभी सुधीश्रोता, संगीत मर्मज्ञ सादर आमंत्रित हैं।

कार्यक्रम का शुभारम्भ दिनांक 31 अक्टूबर 2018 को अपराह्ण 1.30 बजे प्रसिद्ध संगीतज्ञ **प्रोफेसर राजेश्वर आचार्य** की अध्यक्षता में **प्रोफेसर विशम्भर नाथ मिश्र**, महंत, श्रीसंकटमोचन मन्दिर के कर-कमलों द्वारा सम्पन्न होगा।

दिनांक 2 नवम्बर 2018 को अपराह्ण 2 बजे

सम्पूर्ति सत्र के अध्यक्ष

प्रो. कमलेशदत्त त्रिपाठी

(कुलाधिपति, अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा)

होंगे।

स्थान : पं. ओंकार नाथ ठाकुर, प्रेक्षागृह,

संगीत एवं मंच कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

भारत अध्ययन केन्द्र
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
9454860068

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र
क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी
0542-2570238, 9450377529

संगीत एवं मंच कला संकाय
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
9839368578

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र देश का प्रमुख शोध संस्थान है जिसमें सम्पूर्ण भारत की सभी मौखिक एवं लिखित, शास्त्रीय एवं लोकवार्तागत, दृश्य एवं श्रव्य तथा प्राचीन एवं नवीन कला की गहन अभिव्यक्ति का समन्वय है। यह केन्द्र संस्कृति मन्त्रालय के अन्तर्गत एक स्वायत्तशासी न्यास है जिसकी स्थापना सन् 1987 में की गयी थी।

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली के अन्तर्गत क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी की स्थापना 1987 में कलातत्त्वकोश परियोजना को ध्यान में रखकर की गई जिसके अब तक सात खण्ड प्रकाशित हो चुके हैं तथा अष्टम एवं नवम खण्ड शीघ्र ही प्रकाशित होंगे। सम्पूर्ण कलातत्त्वकोश 25 खण्डों में प्रकाशित करने की योजना है। यद्यपि सम्प्रति पन्द्रह खण्डों पर ही कार्य विभाजन हुआ है। केन्द्र में अन्य परियोजनाएँ भी समानान्तर रूप से संचालित हो रही हैं। उनमें प्रमुख हैं- नाट्यशास्त्र (नेवारी संस्करण) परियोजना जिसका प्रथम खण्ड प्रकाशित हो चुका है तथा शीघ्र ही द्वितीय एवं तृतीय खण्ड प्रकाशन के लिए उपलब्ध हो जायेंगे। वाक्यपदीय परियोजना के अन्तर्गत काशी के प्रसिद्ध वैयाकरणों के मन्तव्य को संगृहीत किया गया है जिनमें प्रमुख रूप से पण्डित राम प्रसाद त्रिपाठी, पण्डित परमहंस मिश्र, पण्डित विद्यानिवास मिश्र, प्रोफेसर कमलेशदत्त त्रिपाठी आदि के वाक्यपदीय के दार्शनिक पक्ष पर विचार हैं। इस संकलन का प्रकाशन तीन खण्डों में किया जा रहा है। इसके साथ द्रव्यसमुद्देश एवं जातिसमुद्देश से सम्बन्धित खण्ड भी प्रकाशन के लिए तैयार हैं। भारतीय ज्ञान-परम्परा के संवर्धन एवं प्रसार को दृष्टि में रखते हुए क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी ने महत्त्वपूर्ण शास्त्रीय ग्रन्थों को हिन्दी अनुवाद के साथ प्रकाशित करने की योजना प्रारम्भ की है जिसमें 24 ग्रन्थों पर कार्य प्रारम्भ किया जा चुका है। अगले पाँच वर्षों में सौ से अधिक ग्रन्थों को प्रकाशित करने की योजना है। इसी के साथ क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी, काशी व्याख्यानमाला एवं स्मृति-व्याख्यानमाला के माध्यम से काशी की बौद्धिक परम्परा को जनमानस में सम्प्रेषित करने के लिए प्रयासरत है। काशी के सांस्कृतिक क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए मार्गदेशी परियोजना के अन्तर्गत संस्कार-गीत सम्बन्धी कार्य भी प्रारम्भ किया गया है। समय-समय पर क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, भारतीय कला एवं संस्कृति पर प्रदर्शनियाँ भी आयोजित की जा रही हैं। शास्त्रीय ग्रन्थों के सम्पादन एवं तत्सम्बन्धित प्राचीन लिपियों के पाठन हेतु क्षेत्रीय केन्द्र पाण्डुलिपि एवं लिपिविज्ञान पर प्रशिक्षण हेतु कार्यशालायें भी आयोजित कर रहा है। एक और महत्त्वपूर्ण प्रकल्प जिसके अन्तर्गत काशी की सा[illegible] परम्परा के प्रतिनिधि-भूत महनीय ग्यारह आचार्यों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर डॉक्यूमेन्टरी [illegible]ने हेतु केन्द्र संकल्पित है जिसमें प्रथम चरण में म.म. रेवाप्रसाद द्विवेदी, पद्मश्री वागीश शास्त्री तथा आचार्य कमलेशदत्त त्रिपाठी के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेन्टरी बनायी जायेगी। इसी के साथ क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी क्षेत्र महोत्सव के आयोजन पर गम्भीरता से चिन्तन कर रहा है जिसके अन्तर्गत बुन्देलखण्ड, बघेलखण्ड, प्रयाग, कौशाम्बी, कन्नौज, ब्रज, अयोध्या, भोजपुरी क्षेत्र के साथ-साथ काशी क्षेत्र पर, भाषा, साहित्य, लोक-संगीत एवं कला आदि के क्षेत्र को ध्यान में रखकर क्षेत्रविशेष के योगदान को उद्घाटित किया जायेगा।

केन्द्र भारतीय शास्त्रीय एवं लोक संगीत की समृद्ध विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरन्तर प्रयासरत है। क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी द्वारा विगत वर्षों में आयोजित किये गये अनेकों कार्यक्रमों की शृंखला में संगीत त्रिवेणी महोत्सव का आयोजन एक महत्त्वपूर्ण कड़ी है, जिसका उद्देश्य ध्रुवपद, खयाल एवं ठुमरी गायन विधा के ख्यातिलब्ध कलाकारों के साथ-साथ उदीयमान कलाकारों को एक मंच प्रदान करना है।

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

प्रधान केन्द्र : 11 मानसिंह रोड, नई दिल्ली - 110001

क्षेत्रीय केन्द्र

पार्श्वनाथ विद्यापीठ परिसर, आई.टी.आई. रोड, करौंदी, वाराणसी - 221005

फोन : 0542-2570169, 2570238

email : igncavaranasi@gmail.com, website : www.ignca.gov.in